संवारिये का श्रृंगार करे गे

आओ भगतो चले सँवारे के द्वार,
लेके फूल माला और हार संवारिये का श्रृंगार करे गे,
ग्यारस आई सजा श्याम का दरबार,
चलने को हो जाऊ त्यार संवारिये का श्रृंगार करे गे,

चम्पा चमेली जूही मोगरा गुलाब लो,
रजनी गन्दा और गेंदा फूल लाजवाब लो,
फूलो से श्याम जी को आज हम सजाये गे,
आरती उतरे गे और छप्पन भोग लगाए गे,
लेके दिल में अपने श्रद्धा अपार,
चलो श्याम धनि के द्वार संवारिये का श्रृंगार करे गे,

सोना न चांदी चाहे हीरे ना मोती,
श्याम सँवारे को भाये जेवर न कोई,
फूलो की चाह उन्हें फूलो से प्यार है,
पुष्पों से ठाकुर का होता श्रृंगार है,
फूल सुगणदित लाओ लाओ खुशबु दार,
लेके जाऊ सँवारे के द्वार संवारिये का श्रृंगार करे गे,
चलने को हो जाऊ त्यार संवारिये का श्रृंगार करे गे,

जैकारो से गूंज उठी खाटू की नगरी,
भक्तो ने गाई है जब बाबा की आरती,
छप्पन भोगो का जब के वितरण हुआ है,
खाके परशाद मगन सबका मन हुआ है,
सबने मन शीश दानी का आभार,
करके श्याम जी को नमस्कार संवारिये का श्रृंगार करे गे,
चलने को हो जाऊ त्यार संवारिये का श्रृंगार करे गे,

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/5618/title/chalne-ko-ho-jaao-tyaar-sanwariye-ka-shingaar-kare-ge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |